For the years 1987-88, 1988-89 and 1989-90 the royalty paid to the States of Assam, Gujarat, Arunachal Pradesh and Tamil Nadu are as follows:

(Rupees in crores)

	1987-88	1988-89	1989-90	Total
Assam	98 96	104 77	171 53	375 26
Gujarat	95 79	103 78	181 21	380 78
Arunachal Pradesh	00 69	0 67	0 73	2 09
Tamil Nadu	00 27	0 60	4 01	4 88

बच्चों में कुपोषण

*158. श्रीमती सूर्यकांता पाटील :
श्री शकील रशमी :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 21 दिसम्बर, 1990 के हिन्दी "दैनिक जागरण" में "प्रतिदिन 49 हजार बच्चे भारत में कुपोषण से मर जाते हैं" शीर्षक के अंतर्गत छपे समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो ऐसी मौतों को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (प्रो० शकीलुर रहमान) : (क) और (ख) सरकार के ध्यान में 21 दिसम्बर, 1990 के "हिन्दी "दैनिक जागरण" में "भारत में कुपोषण के कारण प्रतिदिन 49,000 बच्चे मरते हैं" शीर्षक से प्रकाशित समाचार आया है । यह शीर्षक भ्रामक है । इस शीर्षक के समाचार में कहा गया है "कुपोषण तथा अन्य रोगों के कारण विश्व में प्रतिदिन लगभग 40,000 बच्चे मर जाते हैं ।" यह समाचार "दि स्टेटस आफ वर्ल्ड चिल्ड्रन 1991" नामक शीर्षक से यूनीसेफ की रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है । यह सही नहीं है कि भारत में 49,000 बच्चे प्रतिदिन कुपोषण के कारण मरते हैं ।

भारत के महापंजीयक की नमूना पंजीयन पद्धति के अनुसार भारत में वर्ष 1987 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर 35.2 है । इसके आधार पर कुपोषण सहित सभी कारणों से मरने वाले पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की संख्या प्रतिदिन लगभग 10,000 है । बहरहाल समस्त देश में कुपोषण के कारण प्रतिवर्ष मरने वाले बच्चों की संख्या के बारे में कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है ।

बच्चों में कुपोषण तथा इससे होने वाली मौतों को रोकने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं । इनमें पोषण की कमी से होने वाली रक्ताल्पता की रोकथाम, विटामिन "ए" की कमी से होने वाली दृष्टिहीनता से रोकथाम, आयोडीन कमी नियंत्रण कार्यक्रम, तथा समन्वित बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत पूरक आहार की व्यवस्था शामिल है । स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और जन प्रचार के माध्यम से पोषण शैक्षिक कार्यक्रम चलाया जा रहा है और इसमें स्तनपान, दूध छुड़ाने के उपयुक्त तरीकों, बच्चों को सन्तुलित आहार आदि पर बल दिया जा रहा है ।

बच्चों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाने के लिए अन्य जो स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं उनमें डिफथीरिया, कुकुर खांसी, टेटनस, तपेदिक, पोलियो, माइलिटिस और खसरे जैसे रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक रोगप्रतिरक्षण कार्यक्रम, अतिसार के कारण शरीर में पानी की कमी से

होने वाली मौतो को रोकने के लिए ओरल रिहाइड्रेशन थरेपी है ।

Setting up of Power Generation Units by Private Entrepreneurs

*159 SHRI SHIV PRATAP MISHRA.
SHRI PARVATHANENI UPENDRA

Will the Minister of ENERGY be pleased to state

(a) whether it is a fact that a large number of private entrepreneurs have approached the State Electricity Boards for setting up power generating units, and

(b) if so, what are the names thereof and the action taken thereon?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI KALYAN SINGH KALVI). (a) and (b) Seven State Governments have invited offers by insertion of advertisements in the Newspapers from the private entrepreneurs for implementation of their projects totalling to 10528 8 MW in the private sector The State Governments are competent to process these applications in terms of the guidelines announced by the Government to encourage private sector participation in power generation for the purpose of allowing private entrepreneurs to execute their projects The names of the State Governments and the details of the projects advertised by them are annexed [*See* Appendix CLVI, Annexure No 30]

In addition to the above power projects in private sector under the following categories

(i) On going 5 (five) projects of 627 Megawatt,

(ii) Under techno-economic examination—3 (three) projects of 1180 Megawatt,

(iii) Projects in which private sector have evinced interest 20 (twenty) of 5773 5 Megawatt, are given in Annexure [*See* Appendix CLVI, Annexure No 30]

Allocation to sick units in Delhi for manufacture of LPG Cylinders and valves

*160 SHRI BEKAL UTSAHI. Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state

(a) whether it is a fact that Industrial Reconstruction Bank of India (IRBI) has recommended to the Indian Oil Corporation to allot manufacture of LPG cylinders and valves to some sick units of Delhi;

(b) if so, what are the names of such units along with the number of LPG cylinders/valves allotted for manufacture to each of them during the last one yaer on the recommendations of IRBI in Delhi, and

(c) what is the policy of IOC to rehabilitate sick units and the guideline for allocation for manufacture of LPG cylinders/valves?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): (a) No, Sir

(b) Does not arise.

(c) Indian Oil Corporation does not have any corporate policy on rehabilitation of sick LPG cylinders and valves manufacturing units The annual requirement of LPG cylinders and valves is allocated amongst the units approved by the Oil Industry Technical Committee on the basis of their past performance, vendor rating and production capacity

Compensation to Displaced Persons of Shaktinagar, U.P for the Land Acquired for NTPC Project

1146 CHOWDHRY HARI SINGH: Will the Minister of ENERGY be pleased to state·

(a) whether former Prime Minister declared at a meeting of 9th June,